नाम..... अनुक्रमांक..... PS

वार्षिक परीक्षा-2024

समय 3 घण्टे कक्षा-11 पूर्णांक : 90

विषय- हिन्दी (सामान्य)

नोट-सभी प्रश्न अनिवार्य है।

खण्ड-क (10 अंक)

1. (क) हिन्दी की प्रथम कहानी किसे माना जाता है?
(i) इन्दुमती (ii) दुलाई वाली
(iii) ग्यारह वर्ष का समय (iv) पंच परमेश्वर
(ख) ध्रुव स्वामिनी नाटक के लेखक हैं।
(i) जयशंकर प्रसाद (ii) राम कुमार वर्मा
(iii) लक्ष्मी नारायण मिश्र (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ग) चिन्तामणि के लेखक हैं-
(i) सदा सुखलाल (ii) आचार्य रामचंद्र सात
(iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(घ) 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक हैं-
(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(iii) प्रताप नारायण मिश्र (iv) हजादी प्रसाद द्विवेदी
(ङ) तार सप्तक के सम्पादक हैं-
(i) मुक्तिबोध (ii) अज्ञेय
(iii) नरेश मेहता (iv) गिरजाकुमार माथुर
2. (क) पृथ्वीराज रासो महाकाव्य किसने लिखा है
(i) नरपति नालह (ii) चन्द्र बरदाई
(iii) धनपाल (iv) अब्दुर्रहमान
(ख) हिन्दी खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य कौन सा है।
(i) कामायनी (ii) प्रियः प्रवास
(iii) पद्मावत (iv) पृथ्वीराज रासो
(ग) सूर सागर के रचनाकार -
(i) तुलसीदास (ii) कबीरदास (iii) सूरदास (iv) जायसी
(घ) हिन्दी-साहित्य के इतिहास में किस काल को स्वर्ण युग कहा जाता हैं।
(i) आदिकाल (ii) भक्तिकाल (iii) रीतिकाल (iv) आधुनिक काल
(ङ) निम्नलिखित में से छायावादी युग के कवि है?
(i) जयशंकर प्रसाद (ii) जगन्नाथ दास रत्नाकर
(iii) रामधारी सिंह दिनकर (iv) कबीरदास

P.T.O

PDF HindustanKnowledge.com

3. आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इसी भाषा का निघण्टु श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाम मात्र का भी शब्द नहीं। यह सभ्यता चरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुरों के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों के निवास में आचरण की सभ्यता मौन रूप में खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम, और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान है। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव निरस्थानी होता है और उसकी आत्मा का एक अंश हो जाता है।

क. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
ग. आचरण कब प्रकट होता है गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
घ. सभ्याचरण कैसा गुण है तथा इसका सामने वाले क्या प्रभाव पड़ता है ?
ङ. 'निघण्टु' तथा 'चिरस्थायी' शब्द का क्या अर्थ है ?

अथवा

आत्मा अजर और अमर है उसमे अनन्त ज्ञान, शक्ति और आनन्द का भण्डार है। अकेले ज्ञान कहना भी पर्याप्त हो सकता है, क्योंकि जहाँ ज्ञान होता है वहाँ शक्ति होती है और जहाँ ज्ञान और शक्ति होते हैं, वहाँ आनन्द भी होता है, परन्तु अविद्यावशात वह अपने स्वरूप को भूला हुआ है। इसी से अपने को अल्पज्ञ पाता है। अल्पज्ञता के साथ-साथ अल्पशक्तिमत्ता आती है और इसका परिणाम जात होता है।

क. उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ निखिए
ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
ग. प्रस्तुत गद्यांश में दार्शनिक दृष्टि से किसका विवेचन किया गया है?
घ. आनंन्द की कुंजी क्या है? उसके अभाव में क्या होता है।
ङ. आत्मा, ज्ञान और आनन्द का क्या सम्बन्ध है।

4. बिनु गोपाल बैरिनि भई कुंजै।
तब बैलता लगति तन सीतल,
अबभई विषम ज्वाल की पुंजै।
वृथा बहति जमुना, खग बोलत, वृथा कमल फूलनि अलि गुंजै।
पवन, पान, घनसार, सजीवन, दधिसुत किरनि भानुभई भुंजै।
यह ऊधौ कहियौ माधौ सौ, मदन मारि कीन्हीं हम लुंजै।
सुदरदास प्रभु तुम्हारे दरसकौ, मग जोवत अंखिया भई छुंजै।।

क. उपर्युक्त पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।
ख. पद्यांश के आधार पर बताइए कि शीतल लताएं अग्नि के समान जलाने वाली कब प्रतीत होती हैं।
ग. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

PDF Hindustanknowledge.com

घ. गोपियों को कृष्ण की अनुपस्थिति में कैसा लगता है?
ङ. सूर्य की किरणों के समान दाहक कौन बन गया है।

अथवा

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाहि।
सब अंधियारा मिट गया, जब देख्या माँहि।।

क. उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए
ख. कवि को प्रभु की प्राप्ति कब हुई और क्यों कारण सहित बताइए
ग. प्रस्तुत दोहे का प्रसंग स्पष्ट कीजिए ।
घ. कवि का अज्ञानता रुपी अंधकार किस प्रकार दूर हो गया?
ङ. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

5. क. निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए
(क) भारतेन्द्र हरिश्चन्द्र (ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(ग) सरदार पूर्ण सिंह (घ) डॉ0 सम्पूर्णानन्द

ख. निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए – सूरदास
(क) कबीर दास (ख) तुलसीदास (ग) तुलसीदास (घ) बिहारी

6. बलिदान अथवा आकाशदीप कहानी का सारांश लिखिए।

7. 'आन का मान' नाटक के आधार पर वीर दुर्गादास का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

नाटक का स्वक्षिप्त सारांश लिखिए।

8. निम्नलिखित अवतरण का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए
भारतस्य स्वतंत्रतान्दोलनस्य इदं नगरं प्रधानकेन्द्रम् आसीत्। श्री मोतीलाल नेहरू, महामना मदनमोहन मालवीयः, आजादोपनामक श्चन्द्रशेखरः अन्ये च स्वतंत्रता संग्राम सैनिकाः अस्यामेव मावन भूमौ उषित्वा आन्दोलनस्य संचालनम् अकुर्वन्। राष्ट्रनायकस्य पंडित जवाहरलालस्य इयं क्रीड़ास्थली कर्मभूमिश्च।

अथवा

अयं पर्वतराजः भारतस्य व उत्तर सीम्नि स्थितः तत् प्रहरीव शतुभ्यः सततं रक्षति। हिमालयादेव समुद्गम्य गंगा-सिन्धु-ब्रह्मपुत्राख्याः महानद्यः शतद्रि-विपाशा-यमुना-सरयूगण्डकी-नारायणी-कौशिकी प्रभृतयः नद्यश्च समस्तामंपि उत्तर भारतभुव स्वकीयैः तीर्थोदकैः न केवतां पुनन्ति, अपितु इमां शस्यश्याम लामपि कुर्वन्ति।

ख. निम्ननिलखित श्लोक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए।
ईशावास्य मिदं सर्वं थत् किंच जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुंजीया मा गृधः कस्यास्विद् धनम्।।

अथवा

PDF Hindustanknowledge.com

सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्या योगेन रक्ष्यते।
मृजया रक्ष्यते रूपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखिते हुए वाक्य-प्रयोग कीजिए।

(i) अंधे की लाठी (ii) आंख का तारा
(iii) ईंट से ईंट बजाना (iv) एक पंथ दो काज

10. निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कर लिखिए

क. हिमालय का सन्धि-विच्छेद हैं-
(i) हिम + आलय (ii) हिमा + आलय
(iii) हिमा + लय (iv) हिमा + अलय

ख. 'विद्यार्थी' का सन्धि-विच्छेद हैं-
(i) विद्य + अर्थी (ii) विद्या + अर्थी
(iii) विदि + आर्थी (iv) विद्य + आर्थी

ग. 'भानूदयः का सन्धि-विच्छेद हैं-
(i) भानू + उदय (ii) भानु + उदयः
(iii) भानू + दयः (iv) भानु + ऊदयः

11. क. 'करुण' अथवा 'वीर' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

ख. 'उपमा' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।

ग. 'चौपाई' अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।

12. इण्टरमीडिएट कालेज के प्रबन्धक को लिपिक के रिक्त पद हेतु नियुक्ति के लिए एक आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अपने क्षेत्र की नालियों तथा सड़कों आदि की सफाई न होने पर स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायती लिखिए।

13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबंध लिखिए।

क. मेरा प्रिय कवि

ख. पर्यावरण एवं प्रदूषण की समस्या एवं समाधान

ग. शिक्षा में खेल कूद का स्थान

घ. प्रगति के पथ पर भारत।

PDF Hindustanknowledge.com